



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 7 अक्तूबर, 1992/ 15 आश्विन, 1914

हिमाचल प्रदेश सरकार

राजस्व विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 23 सितम्बर, 1992

संख्या 10-9/69-II-रैव-बी.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या 10-9/69-रैव-ए, दिनांक 7 मई, 1980 के अधिक्रमण में और हिमाचल प्रदेश लैंड रैवेन्यू ऐक्ट, 1953 (1954 का 6) की धारा 39 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त

द्वारा के प्रयोजनों के लिए इस्तकाल फीस का निम्नलिखित मापमान तुरन्त प्रभाव से नियत करते हैं, अर्थात् :—

मद का नाम/धारा

फीस का मापमान

1. जब प्रविष्टि, किसी पंजीकृत त्रिलेख या न्यायालय की डिक्री या आदेश या लैण्ड रैवेन्यू ऐक्ट के अध्याय-IX के अधीन राजस्व अधिकारी द्वारा किया गया विभाजन का आदेश या खानगी तकसीम का उस अभिलेख में दर्ज करने के निदेश से सम्बद्ध हो।
प्रत्येक भू-धृति के स्वत्वधारी से अधिकतम 10.00 (दस रुपये) के अध्यक्षीन 2.00 रु0 (दो रुपये) फीस प्रभार्य होगी।
2. जब प्रविष्टि, उत्तराधिकार द्वारा किसी हित या अधिकार के अर्जन से सम्बन्धित हो।
प्रत्येक धृति के लिए अधिकतम 5 रुपये (पांच रुपये) के अध्यक्षीन रहते हुए एक रुपया।
3. जब प्रविष्टि किसी ऐसे हित या अधिकार से सम्बन्धित हो, जो उपरोक्त पैराग्राफ 1 और 2 में अन्यथा उपबन्धित न हो।
प्रत्येक धृति के लिए अधिकतम 8 रुपये (आठ रुपये) के अध्यक्षीन रहते हुए एक रुपया।
4. उपर्युक्त फीस सभी प्रकार के इस्तकाल के लिए प्रभार्य होगी, चाहे वह मन्जूर हो या नामन्जूर :

परन्तु यह कि अनुप्रमाणित अधिकारी किसी नामन्जूर इस्तकाल की फीस माफ कर सकेगा, जबकि उसकी राय में इसे उस व्यक्ति से बमूल करना, जिसके हक में इस्तकाल दर्ज हुआ है, उचित नहीं हो।

5. किसी भी मामले में, जिसमें कि पूर्वगामी उपबन्धों के अधीन प्रभार्य फीस, अन्तरित किए गए हितों/अधिकारों के मूल्य की राशि से अधिक हो या किन्हीं अन्य कारणों से अधिक हो, तो आयुक्त या तो फीस को माफ कर सकेगा या ऐसी राशि को इतना कम कर सकेगा जैसा कि वह युक्ति युक्त समझे।

6. पूर्ववर्ती पैरों में किसी बात के होते हुए भी, ऐसी प्रविष्टियों के सम्बन्ध में, जो हिमाचल प्रदेश भू-दान यज्ञ अधिनियम, 1954 (1956 का 2) के अधीन भू-दान यज्ञ बोर्ड या भू-दान धारक द्वारा या भारत संघ की वायु सेना, थल सेना या जल सेना के किसी व्यक्ति की सम्पत्ति के उत्तराधिकार द्वारा जो :—

(क) सक्रिय सेवा के दौरान मारा गया हो,

(ख) सक्रिय सेवा के दौरान जख्मी, दुर्घटना-ग्रस्त या किसी बिमारी से ग्रस्त हो गया हो और जिसकी घाव, दुर्घटना या बिमारी के परिणाम-स्वरूप 12 मास की अवधि के भीतर मृत्यु हो गई हो, किसी अर्जित अधिकार या हित सम्बन्धी प्रविष्टियों के विषय में कोई फीस प्रमाणित नहीं की जाएगी।

आदेश द्वारा,

ओ० पी० यादव,
वित्तियुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government notification No. 10-9/69-II-Rev.-B, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

REVENUE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd September, 1992

No. 10-9-69-II-Rev.-B.—In supersession of the Himachal Pradesh Government notification No. 10-9/69-REV-A, dated the 7th May, 1980 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 39 of the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1953 (Act No. 6 of 1954), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to fix the following scale of mutation fees for the purposes of said section with immediate effect, namely :—

<i>Name of the Item/Section</i>	<i>Scale of Fees</i>
1. When the entry relates to the acquisition of a right or interest by a registered deed or by a decree or order of a court or by an order of Revenue Officer making or affirming a partition under Chapter-IX of the Land Revenue Act, or directing the incorporation in the record of a private partition.	A fees of Rs. 2.00 (Two) shall be charged on each proprietary holding subject to Maximum of Rs. 10.00 (Ten).
2. When the entry relates to the acquisition of a right or interest by inheritance.	One rupee per holding subject to maximum of Rs. 5.00 (Five).
3. When the entry relates to the acquisition of a right or interest not otherwise provided for in paragraphs 1 and 2 above.	One rupee per holding subject to maximum of Rs. 8.00 (Eight).
4. The above fee shall be charged on all mutations whether accepted or rejected:	

Provided that the attesting officer may remit the fee on any rejected mutation when in his opinion it would not be proper to recover it from the person in whose favour the mutation was entered.

5. In any case in which the fee payable under the foregoing provisions is found to be excessive in amount with reference to the value of the right or interest/transferred or for any other reason, the Commissioner may either remit the fee or reduce it to such amount as he deems to be reasonable.

6. Notwithstanding anything contained in the preceding paragraphs, no fee shall be charged in respect of entries relating to the acquisition of a right or interest by the Bhudan Yagna Board or the Bhudan holder under the Himachal Pradesh Bhudan Yagna Act, 1954 (Act No. 2 of 1956) or by inheritance in the property of any person, in any of the naval, military or air forces of the Union of India:—

(a) Who is killed on active service.

- (b) who receives a wound or is involved in an accident or contracts a disease while on such service and dies within twelve months as a result of such wound, accident or disease.

By order,

O. P. YADAV,
Financial Commissioner-cum-Secretary.